

ॐ
ॐ
ॐ

ॐ । वसिष्ठ । नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

১৩৫

ॐ । ॥ यो वेदायान्तरं कुरु यो वेदायान्तरं
 वदितुं शक्यः । ॥ वदितुं शक्यं ननु यो वेदायान्तरं
 वदितुं शक्यः । ॥ वदितुं शक्यं ननु यो वेदायान्तरं
 वदितुं शक्यः ॥

[illegible]

[illegible]

५
क
म
र

༡༡། །ཤཱཱྱཱུག་ཐུབ་འཇམ་དབྱངས་སྐུ་བའི་སོང་། ལྷ་རྩེ་བ་
མཁའ་ལྷོད་སྐུ་མ་རྩེ་རྩེ་གེ། དམ་པ་རྩེ་གེ་ལྷོ་ན་བའི་དཀའ་ས་སོ་སྐུ།
པ་རྩེ་དཔལ་ལྷོ་བའི་རྩེ་མ་དང་། ལུ་མ་ཆེན་པོར་ལྷོ་ན་རྩེ་བའི་རྩེ་
འཕགས་ས་སྐུ་ལ། མཁའ་འཕྲོ་ཉི་ཤེས་ལྷོ་སོ་སྐུ་ལ།
མ་རྩེ་དཔལ་ལྷོ་བའི་རྩེ་མ་དང་། རྩེ་རྩེ་ཆེན་པོར་སྐུ་ལ།

གཏི་ལྟེན་

མཐའ་ཆེ་བོ་། མཐའ་ཆེ་བོ་མོ་ལྷ་བྱ་ཅུ་ཅུ་བཞི་སོགས་། གཉིས་མེད་དོན་
ཐུ་བརྒྱུད་པའི་སྒྲུ་མ་དང་། བརྒྱུད་གསུམ་གཅིག་འདུས་དམ་པ་རྒྱ་
གར་ས་། མ་གཅིག་ལ་བསྒྲིག་སྒྲུ་མ་མཆོག་གསུང་ལུང་པ་། རྩོད་སྒྲོག་
བསམ་འགྲུབ་སྒྲུ་མ་མཆོག་མ་པ་གཉིས་། ལྷ་ལ་པའི་སྒྲུ་མ་རྩོད་ལ་འདུས་
དོན་སྒྲོག་། ལྷ་སྒྲོག་མཆོག་སོང་ལ་མ་ལྷ་ལ་ལ་དང་། དམ་པ་བྱང་ལྷ་ལ་

[illegible]

གནད་ལྟར་

ཡུལ་དུ་དང་། བདེ་མཆོག་གི་འཕེལ་འགྲོ་རྒྱུ་ལྟར་ཡུལ་ཆེ། གནད་
བཞི་ཐོག་ཡུལ་ལོག་ལ་ཡུལ་དུ་དང་། གནད་ལ་ཡུལ་དུ་དང་ཡུལ་དུ་དང་།
འཕེལ་འགྲོ་ལོག་ལ་ཡུལ་དུ་དང་། ཡུལ་དུ་དང་ཡུལ་དུ་དང་། ཡུལ་དུ་དང་།
གནད་ལ་བདེ་མཆོག་གི་འཕེལ་འགྲོ་ལྟར་། གནད་ལ་ཡུལ་དུ་དང་།
ཡུལ་དུ་དང་ཡུལ་དུ་དང་། ཡུལ་དུ་དང་། ཡུལ་དུ་དང་། ཡུལ་དུ་དང་།

ॐ॥ मन्त्रवाक्यैश्चैव साधविधिः साधनान्वयः॥

ॐ॥ पुनः कर्तव्यं साधविधिः साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं
साधविधिः साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं साधविधिः
साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं साधविधिः साधनान्वयः॥
पुनः कर्तव्यं साधविधिः साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं
साधविधिः साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं साधविधिः
साधनान्वयः॥ पुनः कर्तव्यं साधविधिः साधनान्वयः॥

[illegible]

[illegible]

གཏིང་ལ་ཕྱེས

ཕྱུག་བྱ་དྲུག་ཟུང་སྤྱི་འཇུག་ཆོད་ཆེ་། གྲུ་ལྷ་རྩ་ག་པོ་ཟུ་ཕྱོད་ལ་ལོ་
པ་། མ་གཅིག་པ་གཏེ་ཉ་བ་དམ་ཆོ་གོ་ལྷ་ག་རྩ་མ་སྤེལ་། རྩ་
པ་གཅིག་ལ་མཁུ་ཁྱེད་ལྷ་པ་པའི་གཏིང་ལ་འཇུག་ལ་། ལྷ་སྤེལ་དཔེ་ཕྱེས་ལ་
ཅི་དག་ལྷ་པ་པའི་གཏིང་ལ་འཇུག་ལ་། ལྷ་སྤེལ་ལ་པའི་གཏིང་ལ་འཇུག་
ལྷ་པ་པའི་གཏིང་ལ་འཇུག་ལ་། ལྷ་སྤེལ་ལ་པའི་གཏིང་ལ་འཇུག་ལ་།

ॐ

ॐ वक्रवर्णः प्रवृत्तः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः

वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः

वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः

वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः

वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः वक्रवर्णः

卷之四

གཏེར་པ་ལྟེན་པ་

सुखदयद्वयः

三

ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः

ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः
ॐ श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

महाराजः ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ द्वादशोऽङ्कः ॥
 ॥ अथ द्वादशोऽङ्कः ॥

सुदस्य सुदस्यः । **पद्यः** अथारुद्रस्य गच्छेत्सुदस्यः सुदस्यः । सुदस्यः सुदस्यः...

མཆོད་ལས་བདག་གིས་སྤྲུལ། ། རྒྱང་རྒྱང་གནད་པ་རྒྱང་པའ་རང་བཞུགས། ། སྐྱེས་སྐྱེས་

གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་ལ་སྒྲུབ་པའི་མཁུ་། །དང་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། **མཁུ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་**
བསྐྱེད་། །ཕྱི་དྲུག་པ་སྒྲུབ་པའི་མཁུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།
ཐུགས་ཀྱི་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།
འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།
འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།
འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།
འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་། །འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།

། དེ་ལྟར་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་འཕྲོ་ཆུ་གཉེན་པོ་།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

मल्लुद विद बववठद मरुते रश्री । अष्टुद विद बववठद मरुते रश्री ।

गवगुदगुदकुसुमव्यवहारगददुरगो । कुसुमव्यवहारगददुरगो ॥ ५२ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཅཱ་ཀ་༡༥
D12655

[Faint, mostly illegible handwritten text in Tibetan script, likely bleed-through from the reverse side of the parchment.]

ལམ་ཕྱེད་ལོག་ལ། །མ་ཐུང་གེལ་རབ་མཐུང་པུ་སྒྲུལ་ལ། །གསལ་ལ་བ་ར། །རྒྱུ་རྒྱུ་འཇམ་རྒྱུ་ལ།
རྒྱུ་འཇམ་རྒྱུ་ལ། །སྒྲུལ་བཟང་མཐུང་ལ་མ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།
ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །གསལ་ལ་བ་ར། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།
ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།
ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།
ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།
ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ། །ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ་ཐུང་ལ།

五

卷一百一十五

[illegible]

རྒྱུ་ལ་གཞི་བཟུང་ལ། །ཉལ་ལྟ་པ་དཔལ་ཉལ་མེད་པའི་དཔལ་ལ་བཟུང་ལ། །འདོད་པོན་ལྟ་ལྟ་བ་
 བཟུང་བའི་ལྟ་མཛོད་ལྟར། །ཡུལ་མཛོད་ལྟར་ལྟ་པའི་དཔལ་ལྟ་བུ་ལྟར། །དཔལ་པོ་དཔལ་པོ་ཆེ་ལྟར་བཟུང་
 མའི་ཆེ་ལྟར། །དཔལ་པོ་ཆེ་ལྟར་ལྟ་པའི་དཔལ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ཡུལ་མཛོད་པོ་ལྟར་ལྟ་བུ་ལྟར། །
 ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར།
 །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར།
 །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར།
 །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར། །ལྟ་བུ་ལྟ་བུ་ལྟར།

གཏུང་པུ་

ཐུ་

གཏུང་པུ་མ་

༡༡། །ཕུག་གཏུང་པུ་གཏུང་པུ་ །ཐུང་པུ་གཏུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །
 ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་
 ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་
 ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་
 ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་
 ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་ །ཐུང་པུ་ཐུང་པུ་

[illegible]

2

五

卷之四

[illegible]



Handwritten text in Devanagari script, likely a title or address, spanning the width of the label.

CLARK A. B. — 5.8.18
12656
Library of the University of Toronto

১০৮। অতঃপর প্রাপ্ত হইয়া উক্ত
 পুস্তকাদি লিখিত হইয়াছে। ইতি প্রায়
 দুই শতাধিক বর্ষের মধ্যে এই পুস্তকাদি
 লিখিত হইয়াছে। ইতি প্রায় দুই শতাধিক
 বর্ষের মধ্যে এই পুস্তকাদি লিখিত হইয়াছে।
 ইতি প্রায় দুই শতাধিক বর্ষের মধ্যে
 এই পুস্তকাদি লিখিত হইয়াছে। ইতি
 প্রায় দুই শতাধিক বর্ষের মধ্যে এই
 পুস্তকাদি লিখিত হইয়াছে। ইতি প্রায়
 দুই শতাধিক বর্ষের মধ্যে এই পুস্তকাদি
 লিখিত হইয়াছে। ইতি প্রায় দুই শতাধিক
 বর্ষের মধ্যে এই পুস্তকাদি লিখিত হইয়াছে।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वभूतहितं कुरु ॥ १० ॥

Handwritten text on the left margin, possibly a date or reference.

Handwritten text in a South Asian script, likely Grantha or Tamil, covering the main body of the palm leaf. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, on aged paper. The text is arranged in several lines, though some are faint and difficult to decipher. It appears to be a historical document or a manuscript fragment.

1711

॥ कर्मद्वयं यथासाध्यं कर्तव्यं ॥

5. 1998

30.10

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

12656

卷之四

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवा-
दः । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर-
मुपाश्रित्य ब्रूयान् ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
कौरवपандаवकुलौ । सौमित्रद्रुपदसंनिधौ । तदा
संवाचितवानास्मि ॥ शर्मन्तस्तस्माद्विशमसाधनाः ॥
अस्मान्पश्यन्तमर्जुनसंमुखं ॥ द्रुपदमुनिमुपाश्रितम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥